हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 2 फरवरी 2026

13 मीटिंग में उठाई मिड डे मील वर्करों ने मांगें, 12 की...

14 गुरु रविदास ने समाज में समरसता और समानता का...

बजट 2026

केंद्रीय बजट में खाली हाथ रह गया है जिला महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ जिले के गांव बाछोद जहां छोटे जहाजों को उड़ाने के लिए प्रशिक्षण केंद्र चल रहा है, उस हवाई पट्टी के विकास का कहीं कोई जिक्र नहीं

हरियाणा में औद्योगिक क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं देखी जा रही हैं, लेकिन निवेश मामले में भी यह जिला पिछड़ा है

बजट में विकास की ब्यार बहने की जो बात कही जा रही है, वह केवल गुरुग्राम, मानसेर, धारूहेड़ा से गुजरते नेशनल हाइवे नंबर आठ के परली तरफ ही बहती नजर आएगी, क्योंकि इस शेष दक्षिणी हरियाणा, जिसमें जिला रेवाड़ी एवं महेंद्रगढ़ बसते हैं, वह इस ब्यार से अछूते ही रह गए हैं

राजकुमार ⏭ नारनौल

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश केंद्रीय बजट 2026-27 को बेशक से सत्ताधारी दल के नेता हरियाणा में विकास के द्वार खोलने वाला बताकर इसकी प्रशंसा की जा रही हो, लेकिन हकीकत में इसी हरियाणा का हिस्सा, यानि दक्षिणी हरियाणा, जिसमें अहीरवाल बसता है, वह खाली हाथ ही रह गया है। इस बजट में विकास की ब्यार बहने की जो बात कही जा रही है, वह केवल गुरुग्राम, मानसेर, धारूहेड़ा से गुजरते नेशनल हाइवे नंबर आठ के परली तरफ ही बहती नजर आएगी, क्योंकि इस शेष दक्षिणी हरियाणा, जिसमें जिला रेवाड़ी एवं महेंद्रगढ़ बसते हैं, वह

इस ब्यार से अछूते ही रह गए हैं, क्योंकि इस बजट में इन दो जिला खासकर महेंद्रगढ़ जिले के पिछड़ेपन के कलंक को धौने लायक ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे इस बजट के जरिए इस क्षेत्र विशेष की कायाकल्प हो सके। इस क्षेत्र विशेष को इस नए केंद्रीय बजट से न तो सड़कें मिली हैं और न ही चिकित्सा, शिक्षा एवं उद्योग में निवेश करने की संभावना नजर आ रही है। कमाल की बात है कि बजट में हवाई जहाजों के पार्ट प्रदेश के सात जिलों में बनाने का उल्लेख इस बजट में किया जा रहा है, लेकिन महेंद्रगढ़ जिले के गांव बाछोद जहां छोटे जहाजों को उड़ाने के लिए प्रशिक्षण केंद्र चल रहा है, उस हवाई पट्टी के विकास का कहीं कोई जिक्र नहीं है और न ही बाछोद को हवाई जहाजों के पुर्जे बनाने का कल-कारखाना मिलने वाला है।

सड़कों का जिक्र करें तो वह भी गुरुग्राम से फरीदाबाद तक सीमित कर दी गई हैं। शिक्षा के क्षेत्र में इस इलाके में तरक्की की बहुत गुंजाईश है और इस इलाके में कोई आईटी हब जैसी सुविधा मिल जाती तो यहां रोजगार के अवसर जरूर पैदा हो सकते थे। यह क्षेत्र यानि जिला महेंद्रगढ़ शिक्षा के क्षेत्र एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में नए आयाम स्थापित कर रहा है, उस लिहाज से यहां आईटी हब बनाना ज्यादा बेतहर होता और इससे बनने से यहां के उच्च शिक्षित युवाओं को कंप्यूटरीकृत औद्योगिक क्षेत्र में आगे बढ़ने का जरूरत अवसर मिल सकता था। इस जिल में एक केंद्रीय विवि जरूर है, लेकिन यहां अभी और विवि खोले जाने की आवश्यकता है। चाहे लॉ क्षेत्र हो या कृषि क्षेत्र।

वैसे भी यह जिला कृषि प्रधान जिला है और यहां एक एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी की लंबे समय से दरकार रही है। कमाल की बात यह है कि कृषि प्रधान जिला होने के बावजूद यहां एक भी कॉलेज कृषि क्षेत्र की पढ़ाई नहीं कराता है। इस कारण कृषि क्षेत्र में उच्च शिक्षा हासिल करने के इच्छुक युवक युवतियों को दूसरी जगह जाना पड़ता है। इस बजट में हरियाणा में औद्योगिक क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं देखी जा रही हैं, लेकिन निवेश मामले में भी यह जिला पिछड़ा हुआ है, क्योंकि आजादी से अब तक यहां पर एक भी मल्टी नेशनल इंडस्ट्री तो दूर कोई छोटी इंडस्ट्री भी स्थापित नहीं हो पाई है। जिस कारण प्राइवेट सेक्टर की नौकरी के लिए यहां के बेरोजगार युवाओं को दूसरे जिलों का मुंह ताकना पड़ता है। इस बजट से यहां के लोगों को केवल वही लाभ एवं फायदे मिलेंगे, जो पूरे देश के आम नागरिक को मिल पाएंगे। अन्यथा इस बजट में इस क्षेत्र के लिए कुछ खास नहीं रहा।

नारनौल। यादव धर्मशाला में बड़ी स्क्रीन पर बजट देखते भाजपाई। फोटो : हरिभूमि

बजट का सीधा प्रसारण देखा भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने

नारनौल। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 का लाइव प्रसारण रविवार को यादव धर्मशाला में भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव की अध्यक्षता में देखा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने कहा कि यह बजट हरियाणा के विकास को नई दिशा और गति देने वाला है। उन्होंने बताया कि कुल बजट आकार 53.5 लाख करोड़ रुपये का रखा गया है, जिसमें पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 9 प्रतिशत अधिक है। यह बढ़ोतरी हरियाणा जैसे तेजी से विकसित हो रहे राज्य के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि बजट में राज्यों को 1.4 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर हिस्सा देने की घोषणा की गई है। 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार राज्यों का हिस्सा 41 प्रतिशत बनाए रखा गया है, जिससे हरियाणा को शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, ग्रामीण विकास और आधारभूत संरचना के लिए मजबूत वित्तीय सहयोग मिलेगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक सीताराम, वरिष्ठ भाजपा नेता गोविंद भारद्वाज, नगर परिषद अध्यक्ष कमलेश सैनी, मार्केट कमेटी नारनौल चेयरमैन बाबूलाल यादव, वाईस चेयरमैन सुरेश चौधरी, महेंद्रगढ़ चेयरमैन भागीरथमल, पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष भारती सैनी, जिला महामंत्री किशन लाल सैनी व योगेश शास्त्री, जिला उपाध्यक्ष शिवरत्न, वासुदेव यादव, जिला मंत्री सपना गुप्ता, रविदत्त, जिला प्रवक्ता सरला यादव, सरोज बाला, अमित भारद्वाज, पूर्व चेयरमैन जेपी सैनी, संयोजक राकेश यादव एडवोकेट, सह संयोजक कर्मपाल यादव, ललित तंवर, नरेंद्र उर्फ टिंकू, कर्मवीर खिंची, नवरंग सिंह, पार्षद संजय अमन, परमेश्वर दयाल, जगदीश पासी, हेमंत चौबे, मनोज, प्रमोद, सुभाष, अशोक, संदीप, दीपिका, मुकेश, सुशील चौटाला, रमेश जांगड़ा, नरेंद्र झिमरिया, रोशनलाल, कैलाश, जगदीश दीवान, मदन गोगिया, सतबीर आदि अनेक कार्यकर्ताओं ने लाइव प्रसारण देखकर बजट की सराहना की।

बजट किसानों और बुनियादी ढांचे के लिए गेम-चेंजर: ओमप्रकाश

नारनौल के विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने बजट 2026-27 को किसानों और बुनियादी ढांचे के लिए गेम-चेंजर बताया है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में

एग्रीस्टेक पोर्टल और आईसीएआर पैकेज का एकीकरण किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि बजट में बुनियादी ढांचे के लिए राज्यों को 2 लाख करोड़ की सहायता और खनिज क्षेत्रों व बंदरगाहों को जोड़ने के लिए 20 नए राष्ट्रीय जलमार्गों की घोषणा से विकास को नई गति मिलेगी। विधायक ने कहा कि बजट में 5 लाख से अधिक आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। यादव ने कहा कि पीएम-आवास योजना के तहत गरीबों के लिए अतिरिक्त मकानों का लक्ष्य और स्वच्छ पेयजल के लिए जल जीवन मिशन को दिया गया बजट आवंटन सामाजिक न्याय की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि मिलेट्स के निर्यात को बढ़ावा देने और छोटे किसानों के लिए भंडारण सुविधाओं के निर्माण से नारनौल और दक्षिण हरियाणा के बाजरा उत्पादक किसानों को अपनी फसल का उचित मूल्य मिलेगा।

केंद्रीय बजट विकसित भारत को देगा मजबूती: कंवर सिंह यादव

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया बजट पर महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि यह बजट विकसित भारत के संकल्प को मजबूती

देने वाला है। उन्होंने कहा कि इस बजट में किसान, महिला, युवा और मध्यम वर्ग का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। विधायक ने कहा कि बजट में कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने, रोजगार के नए अवसर सृजित करने, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने तथा बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी गई है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और आम नागरिकों के जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आएगा। विधायक कंवर सिंह यादव ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है। जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों का संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। बजट में देश में तीन नए आयुर्वेद एम्स खोलने की घोषणा की गई है, जिससे आयुर्वेद को आधुनिक चिकित्सा प्रणाली के साथ और अधिक सशक्त किया जा सकेगा। इससे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के अवसर मिलेंगे।

केंद्र सरकार का बजट केवल सपना दिखाने वाला: राव दानसिंह

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को लोकसभा में प्रस्तुत 2026-27 का केंद्रीय बजट पूरी तरह निराशाजनक है। उक्त ब्यान प्रेस को जारी एक

विज्ञप्ति में देते हुए कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्य संसदीय सचिव राव दानसिंह ने बताया कि यह बजट केवल सपना दिखाने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि आज महंगाई चरम सीमा पर है। बेरोजगारी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इस बजट में युवाओं की पूरी तरह अनदेखी की गई है। किसानों की आय दुगनी करने की चुनावी घोषणा पत्र में घोषणा करने वाली भाजपा सरकार ने इस बजट में किसानों के लिए कोई भी नई योजना घोषित नहीं की। व्यापारियों एवं कर्मचारी वर्ग को इनकम टैक्स स्लैब में कोई छूट नहीं बढ़ाई गई। राव दान सिंह ने कहा कि आज किसान, मजदूर, कर्मचारी एवं व्यापारी सभी वर्ग इस बजट से अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिलेंडर के दाम बढ़ने से आमजन परेशान है। महंगाई के कारण लोगों की रसोई का बजट बिगड़ता जा रहा है। इस बजट ने यह साबित कर दिया है कि भाजपा सरकार किसान विरोधी सरकार है।

बजट में स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर पहुंचाने की प्रतिबद्धता: आरती राव

नारनौल। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने केंद्रीय बजट 2026-27 को विकसित भारत की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया है। उन्होंने विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए की गई घोषणाओं की सराहना करते हुए कहा कि बजट में 10 विषयों में संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए नए संस्थानों की स्थापना और 1.5 लाख

बहुकुशल देखभाल कर्ताओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य सराहनीय है। उन्होंने उत्तर भारत में निमहंस-2 (राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान) की स्थापना और जिला अस्पतालों में आपातकालीन व ट्रॉमा केयर सुविधाओं के विस्तार के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आयुष क्षेत्र में तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थानों का उन्नयन भारत को वैश्विक चिकित्सा पर्यटन का केंद्र बनाएगा। यह बजट न केवल स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करेगा, बल्कि समावेशी विकास के संकल्प को भी सिद्ध करेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक विस्तार देना स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने बजट में पोषक भारत और मिशन इन्द्रधनुष के सुदृढ़ीकरण के बारे में कहा कि इससे हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में और कमी आएगी। इसके अलावा, दवाओं के कच्चे माल के स्थानीय उत्पादन के लिए दी गई रियायतों से जीवन रक्षक दवाएं सस्ती होंगी, जिसका सीधा लाभ आम आदमी को मिलेगा।

- कुल बजट आकार 53.5 लाख करोड़ रुपये का रखा गया है जिसमें पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 9 प्रतिशत अधिक

भारत को विकसित राष्ट्र बनाएगा बजट: डा. अभय सिंह

पूर्व सिंचाई मंत्री डा.अभय सिंह यादव ने बताया कि आज केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया केंद्रीय बजट वास्तव में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक बहुत बड़ा क्रदम है। आधुनिक आधारभूत ढांचे को मजबूत करते हुए की युवा उद्यमियों, एमएसएमई और स्टार्टअप उद्योगों को नई गति मिलेगी। महिला सशक्तिकरण की तरफ़इस बजट में महत्वपूर्ण प्रावधान रखे हैं। कृषि और किसान के लिए यह बजट एक मील का पत्थर साबित होगा। कुल मिलाकर विकसित भारत के लिए एक नवाचार की दिशा में यह बजट एक महत्वपूर्ण क्रदम है।

विकसित भारत को मजबूत करने का बजट: प्रदीप सराय

भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओबीसी मोर्चा एवं पुर्व सरपंच प्रदीप सराय ने केंद्र सरकार के बजट पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि यह बजट आम आदमी, गरीब, किसान, युवा और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर बनाया गया है तथा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और आर्थिक अनुशासन का संतुलित उदाहरण है। यह बजट देश के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

बजट में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं: महेंद्र सिंह राता

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने बजट को लेकर निराशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि बजट 2026 में हरियाणा का नामोनिशान तक नहीं है। बजट आने से महज कुछ महीने पहले जिस तरह इन्होंने मनरेगा को बर्बाद करने की साजिश की है उससे इस देश के गरीब मजदूरों की कमर पहले ही तोड़ दी है तो ऐसे में इस बजट से कोई बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं। बजट में सुरक्षा के लिए आधुनिक हथियार और टेक्नोलॉजी होना बहुत जरूरी है। भाजपा सरकार ने पिछले ग्यारह साल में भारत देश की तमाम उम्मीदों को लगातार तोड़ा है। बजट आम आदमी की जेब को कैसे मजबूत कर सकता है।

निराशाजनक है बजट: सुरेंद्र चौधरी

जिला व्यापार मंडल के वरिष्ठ महामंत्री सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि भारत के वित्त मंत्री द्वाराप्रस्तुत किया गया 2026-27 का केंद्रीय बजट पूरी तरह निराशाजनक है। इसमें हरियाणा के लिए कोई भी नई बड़ी योजना नहीं है। मध्यम वर्ग के लिए इनकम टैक्स में छूट को नहीं बढ़ाया गया है। युवाओं के लिए भी बजट में कोई नई योजना नहीं है तथा किसानों के लिए उनकी आय दुगनी करने के बारे में भी कुछ नहीं सोचा गया है।शेयर मार्केट में लगभग 2% गिरावट इस बात का प्रमाण है कि इस वर्ष का बजट पूरी तरह निराश करने वाला है।

केंद्रीय बजट में हरियाणा को फिर झटका: जेजेपी नेता

केंद्रीय बजट को लेकर जननायक जनता पार्टी ने कड़ा ऐतराज जताया है। जेजेपी जिला प्रधान राजकुमार खातोद और प्रवक्ता विजय छिलरो ने कहा कि इस बजट में हरियाणा को कुछ भी ठोस नहीं मिला, जिससे प्रदेश की जनता में भारी निराशा है। उन्होंने इसे हरियाणा की अनदेखी और भेदभावपूर्ण रवैये का प्रतीक बताया। जिला प्रधान राजकुमार खातोद ने कहा कि हरियाणा देश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देने वाला राज्य है, लेकिन इसके बावजूद केंद्रीय बजट में न तो किसानों के लिए कोई विशेष पैकेज है, न युवाओं के रोजगार के लिए ठोस योजना और न ही औद्योगिक विकास को लेकर कोई बड़ा प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के दावे तो बहुत किए जाते हैं, लेकिन बजट में हरियाणा के किसानों के लिए कोई नई राहत नजर नहीं आती। युवाओं के लिए रोजगार सिर्फ भाषणों तक सीमित रह गया है।

केंद्रीय बजट विकसित भारत के संकल्प को साकार करेगा: प्रो. रामबिलास शर्मा

पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह बजट दूरदर्शिता, संतुलन और समावेशी विकास की भावना के साथ तैयार किया गया है, जिसमें किसान, श्रमिक, व्यापारी, मध्यम वर्ग, युवा, महिलाएं एवं पिछड़े वर्ग सहित समाज के हर वर्ग का पूरा-पूरा ध्यान रखा गया है। प्रो. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर बुलेट ट्रेन की गति से आगे बढ़ रहा है। यह बजट न केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करता है, बल्कि भविष्य की आर्थिक और सामाजिक जरूरतों को भी ध्यान में रखकर बनाया गया है, ताकि देश की 145 करोड़ जनता को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि इस बजट से देश के युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे पलायन की सोच छोड़कर विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनेंगे। आम आदमी की जरूरत से जुड़ी वस्तुएं अधिक सुलभ और किफायती होंगी। कैंसर की दवाओं और उपचार से जुड़े उपकरणों पर ड्यूटी में कटौती कर सरकार ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया है, जिससे गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। प्रो. रामबिलास शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि यह केंद्रीय बजट देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा।

केंद्र सरकार का बजट जनहितैषी: संदीप मालड़ा

केंद्र सरकार ने समाज के प्रत्येक वर्ग को ध्यान में रखकर एक जन हितैषी बजट प्रस्तुत किया है। विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि जहां एक तरफ किसान के पशुधन को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजना की बात है, वहीं दूसरी तरफ बायो फार्मा शक्ति के तहत 10 हजार करोड़ का प्रावधान किया है। तीन नए आयुर्वेदिक एम्स की स्थापना से आयुर्वेद को ग्लोबल पहचान मिलेगी तथा देसी जड़ी बूटी को बढ़ावा मिलेगा। महिला शक्ति को और मजबूत करने के लिए प्रत्येक जिले में एक गर्ल्स हास्टल खोलना भी सकारात्मक कदम है। खेलो इंडिया मिशन की घोषणा से खेल की सुविधाओं के साथ-साथ साइंटिफिक कोचिंग से समग्र विकास का रास्ता खुलेगा। कैंसर जैसी गंभीर बिमारी के इलाज की 17 दवाओं पर कस्टम ड्यूटी में कटौती भी सकारात्मक कदम है। इस बिमारी के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हरियाणा के राखी गढ़ी को सांस्कृतिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की घोषणा से हरियाणा में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

2047 तक विकसित भारत का संकल्प सिद्ध करेगा केंद्रीय बजट: सीताराम यादव

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित केंद्रीय बजट में किसान, श्रमिक, व्यापारी, मध्यम वर्ग, युवा, महिलाएं एवं पिछड़े वर्ग सहित समाज के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है जो 2047 तक विकसित भारत का संकल्प सिद्ध करेगा यह बात अटेली

हल्का के पूर्व विधायक सीताराम यादव ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कही उन्होंने कहा कि यह बजट न केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करता है, बल्कि भविष्य की आर्थिक और सामाजिक जरूरतों को भी ध्यान में रखकर बनाया गया है, ताकि देश की 140 करोड़ जनता को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि बजट से आम आदमी की जरूरत से जुड़ी वस्तुएं अधिक सुलभ और किफायती होंगी। कैंसर की दवाओं और उपचार से जुड़े उपकरणों पर ड्यूटी में कटौती कर सरकार ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया है, जिससे गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। आयुर्वेद के क्षेत्र में नए एम्स स्तर के संस्थानों की घोषणा को अत्यंत सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी नया हवाई अड्डे बनने से देश के अन्य हिस्सों से कनेक्टिविटी अच्छी होगी यातायात में समय बचेगा।

महेंद्रगढ़ में वर्कशॉप व सब डिपो शुरू करने में सरकार की नाकामी व शीर्ष अधिकारियों की तानाशाही बताया

सरकार को चेतावनी अगर एक महीने में चालू नहीं हुआ तो देंगे धरना: पाटोदा

रोडवेज सब डिपो वर्कशॉप चालू नहीं होने पर काटा केक, मनाई वर्षगांठ

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

रोडवेज सब डिपो वर्कशॉप को बनकर पांच वर्ष पूरे होने पर क्षेत्र के सामाजिक संगठनों ने केक काटकर वर्षगांठ मनाई तथा इसे शुरू नहीं करने को लेकर सरकार के खिलाफ रोष भी जाहिर किया। सामाजिक संगठनों ने महेंद्रगढ़ में वर्कशॉप व सब डिपो शुरू करने में सरकार की नाकामी व शीर्ष अधिकारियों की तानाशाही बताते हुए महेंद्रगढ़ क्षेत्र से भेदभाव का आरोप लगाया।

इस मौके पर सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने कहा कि प्रदेश में तीसरी बार जन समर्थन मिलने के बाद भी इस पिछड़े क्षेत्र महेंद्रगढ़ को विकास के मामले में आगे बढ़ाने की सोच नजर नहीं आ रही है। भले ही सरकार यहां पर करोड़ों रुपये खर्च कर व खर्च करने की बात कहकर विकास का दम भर रही है, परंतु बीते करीब 11 वर्षों में इसके विकास पर किए गए करोड़ों रुपए बेकार ही नजर आ रहे हैं। महेंद्रगढ़ में पांच वर्ष पहले बनकर तैयार खड़ा रोडवेज सब डिपो वर्कशॉप भवन अपने आप में एक इतिहास रच रहा है। इससे पहले महेंद्रगढ़ में युवाओं को तैराकी में आगे लाने के उद्देश्य से बनाया गया स्विमिंग पुल अपनी अनदेखी पर आंसू बहा रहा है। तत्कालीन सीएम मनोहर लाल खट्टर इन दोनों योजनाओं का उद्घाटन करके वाहवाही जरूर लूट चुके हैं परंतु धरातल पर आज भी कुछ नहीं हैं। इन योजनाओं पर आमजन की मेहनत की कमाई के करोड़ों रुपये बहाने के बाद भी सरकार आमजन को इनका लाभ देने में सफल नहीं हुई है।

महेंद्रगढ़। केक काटकर वर्षगांठ मनाते क्षेत्र के लोग। फोटो : हरिभूमि

इन योजनाओं पर भी फोकस नहीं

सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा ने कहा कि सरकार की अनदेखी में भेदभाव पूर्ण नीति को लेकर आज सामाजिक संगठन ने मिलकर रोडवेज सब डिपो वर्कशॉप भवन की पांचवी वर्षगांठ मनाते हुए फिर से रोडवेज सब डिपो वर्कशॉप के पास इकट्ठा होकर केक काटा और मोमबत्ती जलाकर सरकार को जगाने का प्रयास किया है। इसके अलावा भी माधोगढ़ के किले को पर्यटन के रूप में विकसित, महेंद्रगढ़ किले को हेरिटेज होटल बनाने, महेंद्रगढ़ क्षेत्र में आईएमटी, किसान मॉडल स्कूल का सपना आज भी सपना ही बना हुआ है। सामाजिक संगठनों ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर सब डिपो को चालू नहीं किया गया तो बस स्टैंड पर धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

एक फरवरी 2021 को काम पूरा कर सौंपी थी चाबी

शहर के बस स्टैंड पर नवनिर्मित वर्कशॉप व रोडवेज सब डिपो को शुरू करने के लिए अब तक उदासीन रवैया ही रहा है। एक फरवरी 2021 को महेंद्रगढ़ में सब डिपो स्थापित करने को लेकर बनाए गए वर्कशॉप का निर्माण पूरा कर एजेंसी द्वारा विभाग को चाबी दे दी गई थी, बावजूद इसके सरकारी क्षेत्र के लोगों की चली आ रही दशकों पुरानी मांग को पूरा करने के लिए तत्पर नजर नहीं आई। महेंद्रगढ़ क्षेत्र के यात्री दूसरे डिपो की बसों पर पूरी तरह से निर्भर है। वे भी अपने मनमाने तरीके व समय के अनुसार बसे चलाते हैं ना कि महेंद्रगढ़ क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा के अनुसार। ऐसे में क्षेत्र के यात्रियों को रोडवेज बसों की सुविधा उनके अनुसार नहीं मिल पा रही है। लगातार क्षेत्र के जागरूक व सामाजिक संगठनों द्वारा इसे शुरू करने की मांग उठाए जाने के बाद भी सरकार का रवैया इस क्षेत्र के लोगों को सुविधाएं प्रदान करने का नजर नहीं आ रहा है। इस मौके पर करतार सिंह, गणपत, लालसिंह, सुभाष, राजेंद्र, दिनेश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गणतन्त्र दिवस

भारत का संविधान, देश का सर्वोच्च विधान है। यह संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन देश में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के संविधान का मूल आधार भारत सरकार अधिनियम (1935) को माना जाता है। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है।

स्वाधीन और गणतंत्र भारत में हरियाणा का महायोगदान

1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा।

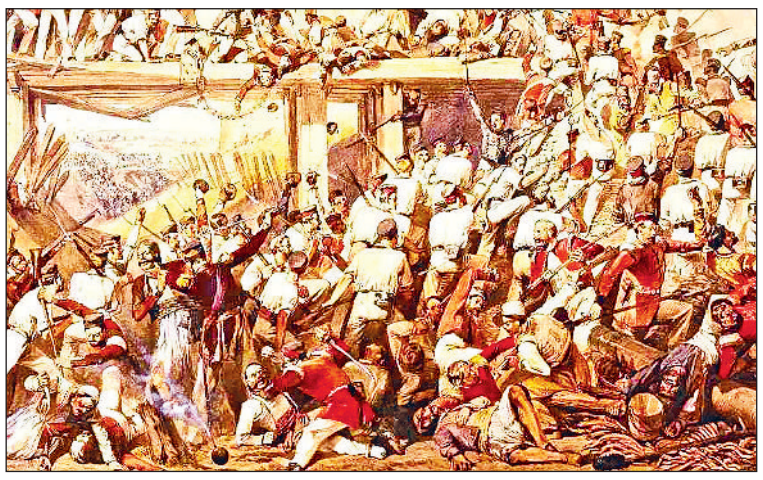

आजादी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भौगोलिक दृष्टि से 'दिल्ली की देहरी' या 'भारत का प्रवेश द्वार' कहे जाने वाले हरियाणा का चरित्र वैदिक काल से ही कर्म और शौर्य का रहा है। यह वही भूमि है जहां महाभारत के धर्मयुद्ध में 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' का उद्घोष हुआ। इसी संस्कार ने कालांतर में विदेशी दासता के विरुद्ध एक प्रबल प्रतिरोध को जन्म दिया। 1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा। आज उस कालखंड की यात्रा करते हैं जब हरियाणा के वीरों ने अपने रक्त से भारत के मस्तक पर आजादी का तिलक लगाया। इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में अक्सर 10 मई 1857 को मेरठ से क्रांति की शुरुआत मानी जाती है, लेकिन ऐतिहासिक दस्तावेज और स्थानीय लोकगाथाएं इसकी गवाही देती हैं कि क्रांति का वास्तविक बीजारोपण और प्रथम विस्फोट अंबाला की छावनी में हुआ था। मेरठ की घटना से लगभग 9 घंटे पूर्व, अंबाला छावनी में 60वीं नेटिव इन्फेंट्री और 5वीं नेटिव इन्फेंट्री ने विद्रोह की योजना बना ली थी। यह योजना अत्यंत व्यापक थी, जिसमें चर्च में अंग्रेजों पर हमला करना शामिल था। दुर्भाग्यवश, एक गद्दार सैनिक की मुखबिरी के कारण अंग्रेजों ने समय रहते हथियार जब्त कर लिए। यद्यपि अंबाला का विद्रोह दबा दिया गया, लेकिन इसने पूरे उत्तर भारत में अंग्रेजों के मन में भय का संचार कर दिया। जो इस बात का प्रमाण था कि हरियाणा की मिट्टी में विद्रोह के बीज अंकुरित हो चुके थे।

रेवाड़ी और अहीरवाल क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व राव तुलाराम और उनके चचेरे भाई गोपाल देव ने किया। उन्होंने स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर अंग्रेजों को कर देना बंद कर दिया। 16 नवंबर 1857 को नारनौल के पास नसीबपुर के मैदान में जो युद्ध हुआ, वह 1857 की क्रांति के सबसे भीषण युद्धों में गिना जाता है। अंग्रेज अधिकारी कर्नल गेरार्ड के नेतृत्व वाली सेना और राव तुलाराम के वीरों के बीच हुए इस युद्ध में नारनौल की धरती लाल हो गई थी। कर्नल इस युद्ध में मारा गया, लेकिन संसाधनों के अभाव में राव तुलाराम को पीछे हटना पड़ा। वे तांत्या टोपे और अन्य क्रांतिकारियों से संपर्क साधने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के लिए काबुल चले गए, जहां 1863 में उनकी मृत्यु हुई। उनकी स्मृति में आज भी हरियाणा 23 सितंबर को 'शहीदी दिवस' मनाता है। हरियाणा में क्रांति केवल राजाओं तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह सर्वखाप और जन-सामान्य का युद्ध था। हिसार और हांसी में लाला हुकम चंद जैन और मिर्जा मुनीम बेग ने क्रांति की मशाल थामी। जब अंग्रेज वापस लौटे, तो उनका दमन चक्र इतना क्रूर था कि हांसी की एक सड़क पर क्रांतिकारियों को लिटाकर उन पर भारी रोड रोलर चलवा दिए गए। वह सड़क आज भी 'लाल सड़क' के नाम से जानी जाती है। इसी प्रकार बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह ने दिल्ली की सुरक्षा का जिम्मा उठाया। उन्होंने अंग्रेजों को दिल्ली में घुसने से रोकने के लिए कड़ा संघर्ष किया। अंततः धोखे से उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके जन्मदिन के ही दिन चांदनी चौक पर सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई। भिवानी जिले के गांव रोहनात के क्रांतिकारियों ने 29 मई 1857 को गांव से 19 किलोमीटर दूर तोशाम स्थित सरकारी खजाने पर हमला करके उसे लूट लिया। बाद में उन्होंने हिसार के गुजरी महल स्थित एक जेल पर हमला किया और वहां कैद कई क्रांतिकारियों को छुडा लिया। रोहनात के ग्रामीणों के नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने हांसी में ग्यारह और हिसार में 12 अंग्रेज अफसरों को मार डाला। इन क्रांतिकारियों में पुट्ठी मंगलखान, मंगाली, हाजिमपुर और जमालपुर जैसे आस-पास के गांवों के निवासी भी शामिल थे। इस कारण बाद में अंग्रेजों ने पूरे गांव को तोप से उड़ा दिया और बची हुई जमीन को नीलाम कर दिया। रोहनात के स्वाभिमानी लोगों ने आजादी के बाद भी दशकों तक तिरंगा नहीं फहराया, जब तक कि उनका सम्मान पूर्णतः बहाल नहीं हुआ। 1858 में हरियाणा को समृद्ध उत्तर-पश्चिमी प्रांत (आगरा-अवध) से अलग कर पंजाब में मिला दिया गया। यह केवल भौगोलिक हस्तांतरण नहीं था, बल्कि हरियाणा के विकास को अवरुद्ध करने का षड्यंत्र था। नहरी पानी रोका गया, शिक्षा के द्वार बंद किए गए और सरकारी नौकरियों में भेदभाव किया गया। इस घोर निराशा के काल में आर्य समाज एक प्रकाश स्तंभ बनकर उभरा। 1880 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने रेवाड़ी आकर न केवल गोशाला की स्थापना की, बल्कि स्वदेशी और स्वराज का मंत्र भी दिया। आर्य समाज ने हरियाणा के ग्रामीण अंचल में शिक्षा का प्रसार किया और अंधविश्वासों को तोड़ा। लाला लाजपत राय ने हिसार को अपनी कर्मभूमि बनाया। आर्य समाज के मंचों से ही राष्ट्रीयता की भावना जन-जन तक पहुंची।

बाबू बालमुकुंद गुप्त, विशंभर नाथ कौशिक और पंडित श्रीराम शर्मा जैसे बुद्धिजीवियों ने अपनी कलम को हथियार बनाया। पंडित श्रीराम शर्मा का पत्र 'हरियाणा तिलक' और जाट गजट जैसे अखबारों ने लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। 'मिक्स्चर' और 'शिवशंभु के चिट्ठे' जैसे व्यंग्यों के माध्यम से अंग्रेजी शासन की बखिया उधेड़ी गई। अंग्रेजों से डोमिनियन स्टेटस की उम्मीद में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हरियाणा के हजारों युवाओं ने अपनी जान दी, लेकिन बदले में जलियांवाला बाग और काला कानून 'रोलेट एक्ट' मिला। 1919 में जब महात्मा गांधी इस दमनकारी कानून के विरोध में पंजाब जा रहे थे, तो 10 अप्रैल को उन्हें हरियाणा के पलवल रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। यह महात्मा गांधी की भारत में पहली राजनीतिक गिरफ्तारी थी। 1920 से 1922 में असहयोग आंदोलन के दौरान पंडित नेकीराम शर्मा का कद बहुत बढ़ गया तो अंग्रेजों ने उन्हें खरीदने की कोशिश की और जमीन का लालच भी दिया। उनका कहना था, 'मुझे तो संपूर्ण भारत की भूमि चाहिए।' उन्हें 'हरियाणा केसरी' की उपाधि दी गई। रोहतक, भिवानी और अंबाला में विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई। 1930 में दांडी मार्च के दौरान समुद्र विहीन हरियाणा में भी नमक कानून तोड़ा गया। रेवाड़ी, हिसार और अंबाला में खारा पानी उबालकर या मिट्टी से नमक बनाकर प्रतीकात्मक विरोध किया गया। इस आंदोलन की खास बात यह थी कि इसमें हरियाणवी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में हरियाणा का उग्र रूप देखने को मिला। 'करो या मरो' का नारा गांवों में गूंज उठा। डाकखाने, रेलवे स्टेशन और सरकारी इमारतें को निशाना बनाया गया।

> **यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है।**

इस आंदोलन में कालका की बेटी अरुणा आसफ अली ने जो शौर्य दिखाया, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। जब कांग्रेस के सभी बड़े नेता जेल में थे, तब अरुणा आसफ अली ने मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्हें '1942 के आंदोलन की रानी' कहा जाता है। इसी प्रकार स्वतंत्रता संग्राम में चौधरी छोटूराम की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने 'साहूकार पंजीकरण एक्ट' और 'कर्ज माफी' जैसे कानूनों के जरिए किसानों को आर्थिक गुलामी से मुक्त कराया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के आह्वान का सबसे गहरा असर हरियाणा के युवाओं पर पड़ा। उस समय के संयुक्त पंजाब से आजाद हिंद फौज में भर्ती होने वाले सैनिकों में सबसे बड़ी संख्या हरियाणा के क्षेत्रों रोहतक, झज्जर, भिवानी और महेंद्रगढ़ से थी। मेजर सूरजमल, कर्नल मेहरदास और कैप्टन कंवल सिंह जैसे वीरों ने इंफाल और कोहिमा के मोर्चों पर ब्रिटिश सेना के छक्के छुड़ा दिए थे। सिंगापुर और बर्मा के जंगलों में लड़ते हुए हजारों हरियाणवी सपूतों ने शहादत दी। स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों को भगाने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह सामंतवादी शक्तियों से मुक्ति और एक अखंड गणतंत्र के निर्माण की भी लड़ाई थी। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ, लेकिन हरियाणा के कई हिस्सों में संघर्ष अभी बाकी था। हरियाणा में लोहारू, पटौदी, दुजाना और जींद जैसी कई रियासतें थीं जहां नवाबों और राजाओं का शासन था। यहां की जनता दोहरी गुलामी झेल रही थी, एक अंग्रेजों की और दूसरी स्थानीय शासकों की। लोहारू के नवाब के अत्याचारों के खिलाफ किसानों ने लंबा संघर्ष किया। 1946-47 में प्रजामंडल आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया, जिसके कारण अंततः नवाब को झुकना पड़ा और लोहारू का भारत संघ में विलय हुआ। पटौदी और दुजाना में भी बाबू दयाल शर्मा और अन्य नेताओं के नेतृत्व में प्रजामंडल ने रियासतों के लोकतंत्रीकरण और भारत में विलय के लिए आंदोलन चलाया। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि हरियाणा का कोई भी हिस्सा राजशाही के अधीन नहीं रहा।

1857 की क्रांति के पहले शहीद से लेकर 1947 के अंतिम संघर्ष तक और फिर 562 रियासतों के एकीकरण के महायज्ञ तक, हरियाणा ने जो आहुति दी है, वह अविस्मरणीय है। यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों अज्ञात शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है। हरियाणा के इन वीरों की गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्र-आराधना के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

कविता

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

चुनाव घोषणा पत्र

पंच बणया सरपंच बणया पर कोन्या पार बसाई
एमएलए का लड़ूं इलैक्शन इब के जी म्हं आई

भाण-भाईयो इब कै सारे मिलकै जोटा ला दो
किसे ढाल अपणे भाई नै चण्डीगढ पहुँचा दो
मेहर करो कट ज्या मेरी भी माया की करड़ाई...

थमनै बेरा सै मैं कदे भी झूठी बात ना करता
चोगरदे कै देख लिया अक चौधर बिन ना सरता
थम जणो सो नहीं सेधती लीडर नै महँगाई...

एमएलए बणग्या तै थारे सारे काम करूँगा
मीठे पाणी की ठूठी हर घर म्हं लगवा दयूंगा
जोहड़ के पाणी नै कद तक पीवैंगे लोग लुगाई...

दिल्ली मैट्रो के आवण म्हं कती ना होगी देरी
हर पाने म्हं बणें स्टेशन रहैगी कोशिश मेरी
हर टेसन पे करैंगे स्वागत हलके के हलवाई...

बिजली-पाणी के बिल थारे कती ऐ माफ़ करूंगा
टीम बणा कै सारी गालां नै खुद साफ़ करूंगा
बीमारां नै मुफ्त मिलेंगें डाक्टर और दवाई...

शहर म्हू एयरपोर्टग्राम म्हं हेलीपैड बणैंगे
जोहड़ म्हं पाणी कम होया तै बारिश ड्रोन करैंगे
घर-घर सी.सी.टीवी होगें मुफ्त म्हं वाई फाई...

जीत गया तै सुख पाओगे गुण गाओगे मेरा
गलती ते भौ हरा दिया तैफेर थमने सै बेरा
खाट खड़ी कर दयूंगा सबकी ज्यै कुर्सी ना थ्याई..

कविता

राजपाल सिंह गुलिया

भाईचारा वो आपस का

भाईचारा वो आपस का , प्रेम प्यार वो कड़ै गए ।
च्यार आदमी के कहँगे इब, बता च्यार वो कड़ै गए ॥

कड़ै गया वो हाँस्सी ठट्ठा ,कड़ै गया वो लास्सी मठ्ठा ,
आपस के इस प्रेम भाव का , किसने बठा दिया सै भट्ठा
कोळी भर - भर मिल्या करैं थे , मिलनसार वो कड़ै गए ।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम-प्यार वो कड़ै गए॥

भूलै सब अपणी रीताँ नै, सुर बदले सैं इन गीताँ नै
कोए देख कै राजी ना सै, आजकाल खाते पीताँ नै
यारबाज दुख बाँट्या करते, बात यार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का, प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

गायब सै इब हँसी ठिठोळी, बात-बात पै मारैं गोळी,
दिल इनका बेरहम घणा सै, सूरत इनकी लागें भोळी
कड़े सरम के गए रिसाले, रिसलदार को कड़े गए ।
भाईचारा वो आपस का, प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

कोसिस सभ नै करणी होगी. नई नींम याह धरणी होगी.
खाई खोदी जो नफरत की , सभनै मिलकै भरणी होगी
डगमग होर्यी नाव आज याह, कर्णधार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कवायद

निर्माण पर 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया

अंग्रेजों को 18 वर्ष लगे थे नई दिल्ली शहर बसाने में

इतिहास

यशपाल गुलिया

वर्ष 1912 तक अंग्रेजों ने भारत में अपना साम्राज्य कलकत्ता को राजधानी बनाकर कायम किया था। बता दें कि तीसरे दिल्ली दरबार में 12 दिसम्बर 1911 को अंग्रेज सम्राट जार्ज पंचम ने दिल्ली को राजधानी घोषित किया था। दिल्ली का तीसरा दरबार मुखर्जी नगर के पास कोरोनेशन पार्क में लगा था, जिसमें प्रथम बार कोई बरतानवी सम्राट व महाराना मेरी पधारे थे।

उस समय भारत का अंग्रेज वायसराय लॉर्ड हार्डिंग था। सम्राट के साथ भारत मन्त्री मार्कविश क्रीऊ भी आया था। उस भव्यतम दरबार में भारतीय देशी शासकों, नवाबों व राजाओं के लिए सिविल लाइन में अलग से शिविर लगाए गए थे। दरबार स्थल के पास सम्राट ने अंग्रेजों की नई राजधानी की आधारशिला रखी थी। कहा गया था कि आने वाले कुछ ही वर्षों में इस स्थान पर भव्य इम्पीरियल राजधानी स्थापित होगी, लेकिन उसी दौरान कुछ ऐसी घटनाएं हुई थी जिसको अंग्रेजों के लिए अपशुकन कहा जाता है। प्रथम तो जार्ज पंचम विलायत से चले तो दुर्घटना हुई थी। दूसरी घटना, दरबार करने के बाद सम्राट के खेमे में आग लग गई। तीसरी, लार्ड हार्डिंग के जुलूस निकालते समय 23 दिसम्बर को उनके हाथी पर चांदनी चौक में बम से हमला किया गया, लेकिन उनसे भयभीत हुए बगैर लाई हार्डिंग ने कलकत्ता से दिल्ली राजधानी स्थानान्तरण का कार्य आरम्भ रखा। वह अपना प्रशासनिक मुख्यालय दिल्ली यूनिवर्सिटी में स्थापित करके विधिवत योजना बनाने में व्यस्त रहे। मैटकाफ हाऊस को काउंसिल हाउस के तौर पर प्रयोग किया गया।

नई दिल्ली स्थित वायसराय हाउस जो 1947 के बाद राष्ट्रपति भवन कहा जाने लगा। अंग्रेजों द्वारा निर्मित 1857 संग्राम का स्मारक।

नई राजधानी का अलग से शहर बसाने के लिए विशेषज्ञों की राय एवं समिति बनाई जाने लगी। इसी क्रम में सर्वप्रथम लार्ड हार्डिंग ने 17 सितम्बर 1912 को दिल्ली को एक सूबा बनाया, जो 1858 से पंजाब का एक जिला मात्र बना दिया गया था। तब तक ब्रिटेन से भी घटना विशेषज्ञों, योजनाकारों एवं अभियन्ताओं की एक महत्वपूर्ण समिति को गठित किया गया था। इसमें एडविन एन लुटियन्स, जान. ए. ब्रोडी, हरबर्ट बेकर, कैप्टन जार्ज स्वीन्टन, थामस वार्ड और जैफरी मोन्ट मोरेन्सी थे। उस ऐतिहासिक समिति को 12 मार्च 1912 को स्वीकृति प्रदान करते हुए सम्राट ने हिदायत दी कि यह आवश्यक नहीं है कि जहां शिलान्यास हुआ था, वहीं नया शहर बसाया जाए। दिल्ली की रिज को अंग्रेजों के लिए शुभ बताते हुए वहां कुछ निर्माण नहीं करना। उल्लेखनीय है कि 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में अंग्रेज सेना चार मास तक उसी रिज पर डटी रही तथा वहीं से दिल्ली पर अंग्रेज फिर से कब्जा ले सके थे। आदेशानुसार नवगठित समिति ने 28 मार्च 1912 को दिल्ली के लिए प्रस्थान किया और वहां पहुंचकर शामनाथ मार्ग स्थित मेडेन होटल में डेरा डाल दिया। तब लार्ड हार्डिंग के काफी विचार-विमर्श के बाद नए शहर के लिए स्थान निश्चित किया गया, जो मालचा नामक गांव के क्षेत्र तथा रायसिना की निम्न पहाड़ी का क्षेत्र था। इसके बाद समिति ने गांव को स्थानान्तरित करके नए शहर के भवनों का निर्माण आरम्भ कर दिया। वर्तमान राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, छावनी व अन्य मुख्यालय भवनों का कार्य आरम्भ ही हुआ था कि 1914 में प्रथम विश्वयुद्ध हो जाने से अनेक बाधाएं आई। अन्ततः 18 वर्षों के बाद वर्तमान नई दिल्ली का कार्य सम्पन्न हुआ। इसमें तब 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा कुल 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया। तब तक हार्डिंग के बाद चेम्सफोर्ड, लार्ड रिडिंग व लार्ड इर्विन दिल्ली में वायसराय के पद पर विराजमान हुए। 15 फरवरी 1931 को लार्ड इर्विन ने नई दिल्ली का उद्घाटन किया। कुछ सहयोगी भारतीय शासकों पटियाला, बड़ोदा, हैदराबाद, जयपुर व बिकानेर आदि के राजाओं के लिए भी अपने भवन बनाने के लिए नई दिल्ली में जगह दी गई थी। हालांकि, उद्घाटन के बाद केवल 16 वर्षों तक ही अंग्रेज नई दिल्ली का उपयोग कर पाए।

हरियाणवी सिनेमा में बेहतर कंटेंट कम और चुनौतियां ज्यादा : मनीषा हंस

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

मनीषा हंस वह शख़्सियत हैं जिन्हें थियेटर के माध्यम से न केवल अभिनय के गहरे संस्कार मिले हैं बल्कि वे हमेशा लीक से हटकर संजीदा व अर्थपूर्ण काम करने के लिए जानी जाती हैं। वह एक सशक्त अभिनेत्री और प्रभावी मंच संचालि होने के साथ ही एक प्रतिबद्ध सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं, जो सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। मनीषा हंस का बचपन ज्यादातर हिसार में बीता। इन्होंने बीए (संस्कृत ऑनर्स), एमए (अंग्रेज़ी) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार से तथा एमए (हिंदी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से की।

ये 1988–90 में लगातार दो बार यूनिवर्सिटी की बेस्ट एक्ट्रेस रहीं और फरवरी 1990 में राष्ट्रीय युवा उत्सव में चयनित नाटक 'कुमारसम्भव' में अभिनय किया। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित साक्षरता एवं सतत शिक्षा कार्यक्रम 'सर्च' राज्य संसाधन केंद्र, हरियाणा में 22 वर्षों तक सीनियर फ़ेलो के रूप में कार्य किया और वर्तमान में रोहतक में ज्ञान–विज्ञान आंदोलन से जुड़ी हुई हैं। साक्षरता अभियान से जुड़कर उन्हें समझ आया कि समाज के विकास में ही अपना विकास है और कला जन-उत्थान का सशक्त माध्यम है। महिलाओं के साथ काम करते हुए उन्होंने पितृसत्तात्मक समाज की सच्चाइयों को समझा और 1999 में जेंडर विमर्श पर आधारित नाटकों के माध्यम से गांवों तक यह संदेश पहुंचाया। वे लल्लन टॉप के उस मंच तक पहुंचने तथा वायरल होने के विषय में बताती हैं कि इस कार्यक्रम में बहस के दौरान हुए तर्क-वितर्क से प्रेरित होकर स्वतः स्फूर्त जावेद अख़्तर साहब और मौलाना से सवाल पूछा गया। इसके पीछे उनकी कोई पूर्व नियोजित सोच नहीं थी। उनके अनुसार समाज को बेहतर बनाना हम सबकी ज़िम्मेदारी है। कमज़ोर होते मानवीय मूल्यों के बीच एक मानवीय समाज का निर्माण ही हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए। वह समाज सेवा को स्वयं के लिए सुकून नहीं बल्कि जीवन भर का संघर्ष मानती हैं, उनका मानना है कि विकास आज भी एक तरफ़ा है और अवसर मुट्ठी-भर लोगों तक सीमित हैं। स्वयं उनके शब्दों में - 'मैं मानती हूं कि प्रतिभाओं की नहीं, अवसरों की कमी है, और संस्थाओं के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास से ही समाज की व्यवस्था बेहतर हो सकती है।' उनका मानना है कि समाज के सहयोग से ही व्यक्ति पहचान पाता है, इसलिए समाज के प्रति अपना ऋण समझना ज़रूरी है।

मनीषा ने अपने अभिनय करियर में फ़ीचर फ़िल्मों, वेब सीरीज़, शॉर्ट फ़िल्मों, विज्ञापनों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में विविध भूमिकाएं निभाई हैं। प्रमुख फ़िल्मों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हरियाणवी फ़ीचर फ़िल्म पगड़ी द ऑनर, नई पीढ़ी (हरियाणवी फ़िल्म, अप्रदर्शित), स्टेज पर वेब सीरीज़ दहलीज़, ओटीटी सीरीज़ सुरंग (कैमियो) और तांडव (कैमियो) शामिल हैं। इसके अलावा जनेऊ, ताली, ममता, लॉक अप/डाउन, स्टूडियो एक्सरसाइज़, क्राइम स्टोरी ऑन ख़बर फ़ास्ट, ज़रक, धारां का टेम, फ़ीचर फ़िल्म धावक, पंजाबी शॉर्ट फ़िल्म छलावों की बारात के लिए वॉयस ओवर, आकाश घर तथा लाहौरी जीरा विज्ञापन में अभिनय किया है। इसके अलावा पारो, द अनओन्ड हाउस और ममता फिल्म को अनेक नेशनल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया जा चुका है। हरियाणवी फ़िल्म इंडस्ट्री के अभी तक के सफर के बारे में वह बताती हैं कि हरियाणवी फ़िल्मों में एक ओर दिखावटी गौरव और मौज-मस्ती है, तो दूसरी ओर किसान, मज़दूर और महिलाओं के संघर्ष को ईमानदारी से दिखाने की कोशिश। सीमाओं के बावजूद ऐसी फ़िल्में पैरलल सिनेमा जैसी लगती हैं और युवाओं की बढ़ती रचनात्मकता से भविष्य की उम्मीद बनती है। उनके अनुसार, दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना एक सकारात्मक कदम है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं। हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। इसके अलावा अभी हरियाणवी सिनेमा से संतुष्टि की बात नहीं है, क्योंकि बेहतर कंटेंट कम है और चुनौतियां ज़्यादा हैं। सिनेमा का दायित्व है कि वह समाज से सवाल करे और कलाकारों व स्टाफ को उचित मेहनताना देकर कला के स्तर को ऊपर उठाए। सुपवा ने हरियाणा और उत्तर भारत के छात्रों को सिनेमा-टीवी की समझ और आगे बढ़ने का अच्छा अवसर दिया है।

हरियाणा से बहुत टैलेंट मुंबई गया है तो क्या आप उसे पलायन मानती हैं या अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय फलक देने का एक अवसर। इस विषय पर मनीषा हंस ने बताया कि हरियाणा से मुंबई जाकर काम करना पलायन नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और अवसर की तलाश है, क्योंकि यहां सिनेमा का सतत माहौल और नीतिगत सहयोग पहले नहीं रहा। कला बिना अभिव्यक्ति के संभव नहीं होती, इसलिए कलाकारों ने बाहर जाकर पहचान बनाई और हरियाणवी सिनेमा की तो अभी शुरुआत ही है। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं, हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। मनीषा मानती हैं कि हरियाणा में स्टेज ऐप सिनेमा के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा है। इस पर कंटेंट के स्तर में सुधार शुरू हुआ है, इसे बनाए रखते हुए कलाकारों को सुरक्षा देने वाला मजबूत प्लेटफॉर्म बनना चाहिए। एक्टर यूनियन, कॉन्ट्रैक्ट, रॉयल्टी और बेहतर इन्वेस्टमेंट पर ध्यान दिए बिना उच्च स्तरीय कंटेंट संभव नहीं है।

> **वेबसीरीज़ सकारात्मक कदम**
>
> मनीषा वेबसीरीज़ और ओटीटी प्लेटफार्म का आना हरियाणवी सिनेमा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम मानती हैं, क्योंकि वेबसीरीज़ ने दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना सकारात्मक है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं।

खबर संक्षेप

भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष को मातृ शोक

कनीना। खंड के गांव अगिहार निवासी एवं भाजपा कनीना मंडल के पूर्व प्रधान हनुमान प्रसाद की माता शांति देवी का निधन हो गया । वे 76 वर्ष की थी, जो अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई। उनका अंतिम संस्कार अगिहार के स्वर्ग आश्रम में किया गया। उनके निधन पर अटेली हलके के पूर्व विधायक सीताराम यादव, सत्यवीर सिंह, राजेन्द्र प्रसाद, शक्ति सिंह, डॉ रविंद्र कुमार, सुरेश कुमार, कप्तान सिंह, रमेश कुमार, हिम्मत सिंह, विजय कुमार, कुलदीप सिंह, पंकज सरपंच खेडी व धर्मवीर सहित ग्रामीणों ने शोक जताया है ।

जेजेपी नेता रामकुमार रावत का निधन

नांगल चौधरी। जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व चेयरमैन

स्वर्गीय काशीराम रावत के पुत्र एवं जेजेपी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामकुमार रावत का अकाल निधन हो गया। उनके अचानक निधन की खबर से नांगल चौधरी सहित पूरे महेंद्रगढ़ जिले में शोक की लहर दौड़ गई। रामकुमार रावत की उम्र मात्र 52 साल थी। गांव मौरूंड निवासी रावत एक मिलनसार, संघर्षशील और जमीनी नेता के रूप में जाने जाते थे। वे लंबे समय से सामाजिक व राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय थे। उनके निधन को जेजेपी संगठन के लिए एक अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। जजपा जिला प्रधान राजकुमार खातोद और जिला प्रवक्ता विजय छिलरों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

डार्क वेब पर विशेष व्याख्यान आयोजित

मंडी अटेली। महंत खेतानाथ राजकीय महाविद्यालय सिहमा में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के दौरान सुचेत ने डार्क वेब के विषय में विद्यार्थियों को विस्तृत एवं ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की। उन्होंने डार्क वेब की अवधारणा, उसके उपयोग, कार्यप्रणाली तथा इससे जुड़े संभावित खतरों पर विस्तार से चर्चा की एवं साइबर अपराध, डेटा चोरी, अवैध गतिविधियों और ऑनलाइन सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इसके साथ-साथ उन्होंने हिंदी भाषा को प्राथमिकता देते हुए डार्क वेब से जुड़े अंग्रेजी शब्दों की सरल हिंदी में व्याख्या की और प्रश्न उत्तर के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ सक्रिय संवाद स्थापित किया, जिससे विषय रोचक और सहज बन गया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को भारतीय नौसेना नेवी में भर्ती से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया, आवश्यक योग्यता, शारीरिक मानक, चयन प्रक्रिया तथा नौसेना में करियर के अवसरों पर प्रकाश डाला।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जैसलमेर नेशनल हाइवे पर सड़क हादसे के बाद गत 3 जनवरी को केस दर्ज किया था। हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया था। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद गाड़ी चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के बहरामपुर निवासी इउस्मान खान को गिरफ्तार कर लिया। उसकी गाड़ी को भी कब्जे में लिया गया है। आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गत वर्ष विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ।

श्रमिक विरोधी चार लेबर कोड्स लागू करने के खिलाफ होगा बड़ा आंदोलन

बैठक में उठाई मिड डे मील वर्कर्स ने कई मांगें, 12 की हड़ताल में लेंगी भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

लघु सचिवालय पार्क में रविवार को मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन (रजिस्ट्रेशन नंबर 2077) सम्बंधित एआईयूटीयूसी की मीटिंग का आयोजन जिला प्रधान सुनीता की अध्यक्षता में हुआ। संचालन जिला सचिव सन्तोष यादव द्वारा किया गया। मीटिंग में सामूहिक निर्णय हुआ कि केन्द्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी सहित देश की दस बड़ी केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर सरकार की श्रमिक-कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ विशेष तौर से श्रमिक विरोधी चार लेबर कोड्स लागू करने के खिलाफ आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल में मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा सम्बंधित एआईयूटीयूसी की मिड डे मील कार्यकर्ता भी शामिल होंगी। वक्ताओं ने कहा कि मिड डे मील कार्यकर्ता बेहद गरीब परिवारों से हैं तथा बेहद मामूली मानदेय पर सरकारी स्कूलों में खाना बनाने का काम करती हैं, लेकिन मिड-डे मील कर्मियों को श्रमिक का दर्जा भी नहीं दिया गया है और न ही न्यूनतम वेतन 28,000 रुपये लागू किया गया है। वक्ताओं ने मिड-डे मील कार्यकर्ताओंको 10 माह के स्थान पर 12 महीने का मानदेय देने, रिटायरमेंट की उम्र 65 वर्ष करने, रिटायरमेंट पर 5 लाख रुपये एकमुश्त राशि देने, 15 बच्चों पर एक मिड डे मील कार्यकर्ता को रखने, ड्रेस की राशि मंहगाई को देखते हुए ड्रेस राशि पांच हजार रुपये मासिक देने, यूनियन की राज्य महासचिव कुसुम पांचाल को बहाल करने, स्कूल में कम बच्चे होने व स्कूल बंद होने की स्थिति में मिड डे मील कार्यकर्ता को नहीं

नारनौल। लघु सचिवालय पार्क में मीटिंग के दौरान प्रदर्शन करती मिड डे मील वर्कर।

यह बोले जिला प्रधान

एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा श्रमिक श्रमिक विरोधी 4 लेबर कोड्स लागू कर श्रमिकों के बचे-खुचे वैधानिक अधिकारोंको भी छीनने का रास्ता साफ कर दिया है। 8 घंटे की जगह 12 घंटे का कार्य दिवस, महिलाओं को रात्रि पाली में काम पर बुलाने, स्थायी किस्म के काम को ठेके पर अथवा शार्ट टर्म अप्वाइंटमेंट के तहत काम का अधिकार मालिकों को दे दिया है। इसी तरह के अनेक ऐसे प्रावधान इन चार लेबर कोड्स में लाए गए हैं, जिनसे देश के मजदूर तबके को पूंजीपतियों के गुलाम बनाने का रास्ता खोलने जैसी है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय ट्रेड यूनियन एआईयूटीयूसी सहित देश की दस बड़ी केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के राष्ट्रीय स्तर पर साझा आंदोलन के माध्यम से चार लेबर कोड को वापस लेने और 29 श्रम कानूनों को मजदूरों के हित में और भी समृद्ध करके बहाल के लिए बाध्य किया जाएगा। हम मेहनतकश जनता से अपील करते हैं कि 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को मुक्कमल तौर पर कामयाब करें।

इन्होंने लिया भाग

आज की मीटिंग को सुनीता, सन्तोष यादव, बिमला, माया, पुष्पा, लक्ष्मी, बनीता, मधु, अजीता, मुकेश कुमार व जिला सचिव छाजूराम रावत ने सम्बोधित किया। मीटिंग में प्रमुख रूप से राजबाला, पिस्ता, मधु, लीला, सुमन, रेखा, मुन्नी, कौशल, मंजू, ममता, गुड्डी, सुनीता, बीना, उर्मिला, सावित्री, सरिता, मधु बाला, कविता, माया, बिमला, धन्वन्ती, किरण, कौशल, सन्तोष, उर्मिला, रत्ना, बबली, सुमन, रीना, शारदा, बिमला सहित अनेक मिड-डे मील कार्यकर्ता सहायिका उपस्थित रही।

महेंद्रगढ़। परीक्षा में उमड़ा जनसैलाब। *फोटो : हरिभूमि*

रिक्त सीटों के लिए विद्यार्थियों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

- निर्धारित रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करने के लिए परीक्षा आयोजित की

बीआर ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुरजनवास में रविवार को स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित की गई। प्राचार्य रामवीर यादव ने बताया कि विद्यालय प्रबंधन की ओर से निर्धारित रिक्त सीटों को भरने के लिए इस परीक्षा का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि निर्धारित रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करने के लिए परीक्षा आयोजित की गई, जिसके लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित हुए। निर्धारित रिक्त सीटों पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दाखिला प्रदान किया जाएगा, जिसमें प्रतिभावान छात्र अच्छे अंकों के आधार पर फीस में छूट प्राप्त कर सकता है। परीक्षा का आयोजन कक्षा दूसरी से कक्षा 9वीं तक किया गया था, जिसमें आसपास के गांवों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से विद्यार्थियों को निःशुल्क परिवहन की सुविधा प्रदान की गई थी। यह परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित थी, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित किया गया था। परीक्षा को दो चरणों में सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस परीक्षा के परिणाम की सूचना एसएमएस या फोन के माध्यम से दी जाएगी। संस्थापक रामसिंह यादव ने बताया कि इस परीक्षा के माध्यम से प्रतिभावान छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता और नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

राजकीय महाविद्यालय अटेली की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाइयों द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों ने विभिन्न जागरूकता अभियानों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों का संदेश दिया। यह शिविर 28 जनवरी से तीन फरवरी तक ग्यारस माता मंदिर परिसर में डॉ. मोनिका, डॉ. अनिल कालिया एवं डॉ. योगेंद्र कुमार, कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। प्रातःकालीन सत्र में स्वयंसेवकों ने श्री जाहर वीर गोगा जी मेड़ी मंदिर परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इसके उपरांत रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल से आए कपिल द्वारा स्वयंसेवकों को प्राथमिक उपचार फर्स्ट-एड की जानकारी विस्तार से दी गई, जिसमें आपातकालीन स्थिति में तुरंत सहायता देने के तरीकों पर प्रकाश डाला गया। सायंकालीन सत्र में नशा मुक्ति विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में साहिल ने प्रथम, अनिता ने द्वितीय तथा रविना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही स्वयंसेवकों द्वारा गांव में जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को स्वच्छता, नशा मुक्ति एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. राजेश सैनी ने एनएसएस के ध्येय वाक्य 'स्वयं से पहले आप' के महत्व को समझाते हुए स्वयंसेवकों को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि मूल सिंह चौहान, डॉ. नीरज चौहान, पूर्व एनएसएस अधिकारी डॉ. श्वेता छाबड़ा, अक्षत कुमार, महेश कुमार, बजरंग सहित अन्य उपस्थित रहे।

मंडी अटेली। जाहर वीर गोगाजी मंदिर में साफ–सफाई करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

'नो नशा नेशन' को लेकर किया हवन

नारनौल। नशे के खिलाफ समाज को जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय आर्य युवा समाज के अध्यक्ष डॉ. योगी सूरी के नेतृत्व में एमएलएस डीएवी स्कूल द्वारा रविवार को आर्य समाज मंदिर के पास मोहल्ला खड़खड़ी में 'नो नशा नेशन' हेतु 51 कुंडीय हवन का आयोजन किया गया। डीएवी द्वारा चलाई गई इस मुहिम का उद्देश्य नशे के खिलाफ समाज को जागरूक करना है। देशभर के सभी डीएवी विद्यालयों द्वारा अलग-अलग स्थान पर हवन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया व उन्हें इस मुहिम में अपने साथ जोड़ा गया। इस अवसर पर आर्य समाज के प्रतिनिधि एवं विधायक ओमप्रकाश यादव, भारत विकास परिषद की ओर से कविंद्र सचदेवा, मुकेश जैन, हितेंद्र बोहरा, महेंद्र शर्मा, धर्मचंद छाबडा आदि रहे।

संत रविदास ने किया था जाति-पाति एवं ऊंच-नीच के भेदभाव का विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतनाली मंडी

राजकीय महाविद्यालय सतनाली के हिंदी विभाग की ओर से महान संत शिरोमणि रविदास जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस कार्यक्रम का आयोजन हिंदी विभागाध्यक्ष डा. रेखा शेखावत के निर्देशन एवं प्राचार्य जरनैल सिंह की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संत रविदास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

प्राचार्य जरनैल सिंह ने कहा कि संत रविदास ने अपने विचारों और भक्ति के माध्यम से समाज को समानता, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से संतों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने का आह्वान किया। हिंदी विभागाध्यक्ष डा. रेखा शेखावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि संत रविदास निर्गुण भक्ति धारा के प्रमुख संतों में से थे, जिन्होंने जाति-पाति एवं ऊंच-नीच के भेदभाव का विरोध करते हुए मानवता को सर्वोपरि स्थान दिया। उनके दोहे और पद आज भी समाज को नैतिकता, सद्भाव और समरसता का संदेश देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संत साहित्य के अध्ययन के माध्यम से जीवन मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने संत रविदास के जीवन एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए तथा उनके दोहों का वाचन किया। मंच संचालन रसायन विभाग के प्राध्यापक डा. विपिन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त स्टाफ सदस्यों ने संत रविदास के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

सतनाली। कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ प्राचार्य। *फोटो : हरिभूमि*

महेंद्रगढ़। विद्यालय में परीक्षा देते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

अरावली स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा में छाए विद्यार्थी

महेंद्रगढ़। अरावली इंटरनेशनल स्कूल में सर्वोत्तम टेलेंट सर्च स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें 2168 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा को चार भाग ए, बी, सी व डी ग्रुप में बांटा गया। इस परीक्षा को पास करने के पश्चात बच्चों को उनकी फीस के रूप में स्कॉलरशिप दी जाएगी। संस्था चेयरमैन अशोक कुमार ने कहा कि इस प्रकार की परीक्षा से बच्चों में आत्मविश्वास और प्रतियोगिता की भावना का विकास होता है। संस्था एमडी रेखा यादव, सीईओ महेश यादव व प्राचार्य शक्ति सिंह ने इस परीक्षा मे भाग लेने वाले विद्यार्थियों का अभिनंदन और उनका धन्यवाद किया। इस अवसर पर समस्त अध्यापक उपस्थित रहे।

आरडी स्कूल में छात्रवृति प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

महेंद्रगढ़। अटेली रोड स्थित बुंदेबाज नगर स्थित गुरुकुलीप्त आरडी पब्लिक स्कूल में छात्रवृति प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रिंसिपल भरत सिंह ने बताया कि छात्रवृति प्रतियोगिता कक्षा तीसरी से 12वीं तक के बच्चों के लिए आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य था कि होनहार बच्चों को तलाशना और उन्हें छात्रवृति प्रदान कर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाना, ताकि संसाधनों के अभाव में कोई छुपी हुई प्रतिभा आगे आने से वंचित ना रह जाए। प्रतिभावान बच्चों को आगे लाने के लिए इस प्रकार की छात्रवृति परीक्षा भविष्य में भी करवाते रहेंगें। सीईओ डॉ. हनुमान यादव ने बताया कि जो अभिभावक किसी कारणवश अपने बच्चों को आज की इस छात्रवृति प्रतियोगिता में भाग नहीं दिला पाए वे अभिभावक किसी भी कार्यदिवस में छात्रवृति के लिए स्कूल लेकर आ सकते हैं।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

महेंद्रगढ़। ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अध्यापक। *फोटो : हरिभूमि*

राव सुल्तान स्कूल में दी कौशल विकास की ट्रेनिंग

महेंद्रगढ़। राव सुल्तान सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल निम्भेहड़ा में केंद्रीय माध्यमिक विद्यालय बोर्ड द्वारा जीवन कौशल पर आधारित ट्रेनिंग आयोजित की गई। इसमें बोर्ड द्वारा नियुक्त ट्रेनर की विकास चौधरी द्वारा अच्छी और प्रभावशाली ढंग से सभी अध्यापकों को ट्रेंड किया गया। उन्होंने बताया कि जब एक मोबाइल को अपडेट किया जाता है तो अध्यापक को भी उसी प्रकार नए नियमों से अपडेट होना जरूरी है। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार प्रत्येक अध्यापक को अपडेट रहना पड़ेगा। तभी वह अपने विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन दे पाएगा। वह सभी बातें आज पुरानी हो गई। नए सिरे से उनकों बताए। नियम के साथ आगे बढ़ना होगा, आज के समय में यदि शिक्षक बच्चों की विषय में पूरी जानकारी नहीं रखेगा तो वह उसको सही दिशा में नहीं पहुंचा

सम्मेलन में धर्म के प्रति एकजुटता पर दिया विशेष रूप से बल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर मनोहर नाथ,चेयरमैन विजय यादव, डा. राज सुरेश, एडवोकेट पूनम, देवदत्त, युद्धवीर,विजेंद्र ठेकेदार, युद्धवीर, लाजपत, बाबूलाल, डॉ. सुभाष, देवेंद्र पंच, अनिरुद्ध, विजय, महिपाल के अलावा अन्य मौजूद रहे।

बाबा खेतानाथ स्कूल में रविवार को विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत हवन यज्ञ से की गई। इस सम्मेलन में क्षेत्र से आए महंतों और हिन्दू संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम कि अध्यक्षता पूर्व सरपंच सुबेसिंह यादव एवं कार्यक्रम के संयोजक पूर्व नरेश सरपंच यादव रहे। इस कार्यक्रम में महाशय सुरेंद्र अटाली ने रागिनीयो के माध्यम से हिंदू धर्म से संबंधित गीत प्रस्तुत किए। इस विराट सम्मेलन में मंच संचालन मास्टर महेंद्र यादव द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक पूर्व सरपंच नरेश यादव बताया कि हिन्दू समाज को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए जागृत और संगठित रहना होगा।

बाबा खेतानाथ हिंदू सम्मेलन समिति हिन्दू समाज को एकजुट करने का लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन समाज को भी सजग और जिम्मेदार होकर आगे बढ़ना होगा। संगठन और संस्कार के बिना कोई भी समाज मजबूत नहीं हो सकता।

उन्होंने हिन्दुओं से आपसी मतभेद भुलाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने सामाजिक समरसता, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना पर विशेष जोर दिया। यह कार्यक्रम शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित जनसमूह ने हिन्दू समाज की एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया। वहीं डॉ. सुरेश कुमारी ने सम्मेलन में अनुशासन, सेवा, संस्कार और राष्ट्रभक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की।

जयंती कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक ओमप्रकाश यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया

शहर के पुल बाजार मंदिर में धूमधाम से मनाई भगवान विश्वकर्मा की जयंती

समारोह में जांगड़ा विश्वकर्मा समाज द्वारा कन्या भ्रूण हत्या, मृत्यु भोज, दहेज प्रथा और नशा मुक्ति को दूर करने का आह्वान किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भगवान विश्वकर्मा जयंती पर श्री विश्वकर्मा मंदिर पुल बाजार में मुख्य अतिथि विधायक ओमप्रकाश यादव द्वारा भगवान विश्वकर्मा की दीप प्रज्वलन, पूजा अर्चना हवन यज के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। समारोह की अध्यक्षता पूर्व उच्च शिक्षा अधिकारी एवं रिटायर्ड प्राचार्य डॉ. पूर्णप्रभा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जांगिड़ ब्राह्मण प्रादेशिक सभा हरियाणा के अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगड़ा, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. आरके जांगड़ा, कैलाश चंद्र जांगिड़, पूर्ण चंद्र जांगिड़, मनोज जांगिड़, अशोक कुमार पैकन, सुरेंद्र जांगिड़, डॉ. पवन शर्मा आदि उपस्थिति रहे। प्रतिभावान 21 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में जांगड़ा विश्वकर्मा समाज द्वारा कन्या भ्रूण हत्या, मृत्यु भोज, दहेज प्रथा और नशा मुक्ति को दूर करने का आव्हान किया गया।

मुख्य अतिथि विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि सृजन, वास्तु-विधान और परिश्रम के प्रतीक भगवान विश्वकर्मा जी का शुभ आशीष हम सभी के जीवन में समृद्धि, सौभाग्य और रचनात्मक ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा विश्वकर्मा का समाज व देश की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। टेक्निकल साइंस के आविष्कारक भगवान विश्वकर्मा द्वारा देश और दुनिया को शिल्प कला का संदेश दिया गया। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा छात्रावास सामुदायिक भवन हेतु जमीन आवंटन करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने का आश्वासन दिया गया।

शिक्षाविद डॉ. पूर्ण प्रभा ने कहा प्रतिभावान विद्यार्थियों को आईएएस, आईपीएस और नीट, आईआईटी की कोचिंग निःशुल्क प्रदान करने और शिक्षा के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हेतु सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अशोक पैकन एवं महामंत्री सीताराम जांगड़ा ने जांगिड़ सभा को मजबूती प्रदान करने का संदेश दिया। भगवान विश्वकर्मा मंदिर के अध्यक्ष देवेंद्र जांगड़ा और समस्त कार्यकारिणी द्वारा मुख्य अतिथि ओमप्रकाश यादव को पगड़ी पहनाकर, मोमेंटो और भगवान विश्वकर्मा छात्रावास सामुदायिक भवन हेतु मांग पत्र भेंटकर उनका अभिनंदन किया गया और सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। मंच संचालन शिक्षाविद बंशीधर जांगड़ा द्वारा किया गया।

नारनौल। जयंती पर विधायक ओमप्रकाश यादव को सम्मानित करते हुए।

ये पदाधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर पूजा जांगिड़, कांता जांगिड़, पुतुल, नीलम, खुशीराम जांगड़ा, जिला अध्यक्ष अशोक पैकन, बंशीधर जांगड़ा, शिवचंद्र, टेकचंद जांगड़ा महासचिव, सत्येंद्र जांगड़ा, फूलचंद जांगड़ा, रोहतास नंबरदार, चंद्रशेखर महामंत्री, सत्यनारायण, योगेश जांगड़ा, मामचंद पूर्व सरपंच, कैलाश सरपंच मित्रपुरा, सीताराम महामंत्री, जितेंद्र लंबरदार, सुरेश जांगड़ा, राजेश, पुरुषोत्तम, सुभाष, प्रकाश, राजेंद्र, डॉ.पूर्ण प्रभा, हनुमान प्रसाद व पूर्ण चंद आदि विभिन्न जांगिड़ सभा के पदाधिकारी आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

कनीना गोशाला में लाया गया उत्तम नस्ल का नंदी

कनीना। श्रीकृष्ण गोशाला के अध्यक्ष भगत सिंह की अध्यक्षता में गोशाला एवं कनीना के प्रबुद्धजनों की बैठक आयोजित की गई। इस में गोभक्त देवेन्द्र सिंह एंव प्रदीप डागर के भरसक प्रयास से गोक्रांति गोशाला रेवाड़ी से एक उत्तम नस्ल का श्रेष्ठ नन्दी लाया गया, जो प्रजनिवैस्टिड है। इससे उत्पन्न नस्लें उन्नत होती हैं, जिस से गऊओं की प्रजन्न क्षमता में सुधार होगा। श्रीकृष्ण गौशाला के सभी पदाधिकारियों एवं गणमान्य सदस्यों ने नंदी का जोरदार स्वागत किया।

शहीद की 27वीं पुण्यतिथि पर किया हवन-यज्ञ

कनीना। दिल्ली पुलिस के शहीद हवलदार अशोक कुमार की 27वीं पुण्यतिथि पर रविवार को हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। शहीद स्मारक पर आयोजित इस समझ में उनकी पत्नी एवं नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष संतोष देवी, सचिन रोता सिंह सहित प्रबुद्धजनों ने हिस्सा लिया। शहीद के पुत्र जोनी ने बताया कि एक फरवरी 1999 में अपराधियों का पीछा करते हुए अशोक कुमार ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। पुलिस आयुक्त ने उनकी बहादुरी पर वीरता पुरस्कार से नवाजा था। उनकी ओर से प्रतिवर्ष शहीद स्मारक पर एक फरवरी को हवन-यज्ञ का आयोजन किया जाता है।

ढींढासर मंदिर में धूमधाम से मनाई संत शिरोमणी गुरु रविदास की जयंती

गुरु रविदास ने समाज में समरसता व समानता का संदेश दिया: विधायक

- गुरु रविदास जी ने जातिगत भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई

नारनौल। ढींढासर स्थित मंदिर प्रांगण में रविवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती बड़े हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नारनौल के विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रविदास मंदिर के मठाधीश महंत श्रीश्री 108 बालक दास जी महाराज ने की। नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी, मार्केट कमेटी के चेयरमैन बाबूलाल यादव, वाइस चेयरमैन सुरेश चौधरी, भाजपा के जिलाध्यक्ष यतेंद्र राव, डा. आरके जांगड़ा, जिला प्रबंधक राजपाल गौरा, प्राचार्य जयंती बाई आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन थे।

मुख्य अतिथि विधायक ओमप्रकाश यादव ने अपने भाषण में कहा, संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने समाज में समरसता और समानता का संदेश दिया था। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। गुरु रविदास जी ने जातिगत भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई और सभी को एक समान मानने का संदेश दिया। आज हमें उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में एकता और भाईचारा बढ़ाना होगा। उन्होंने आगे कहा, गुरु रविदास जी की शिक्षाएं हमें प्रेरणा देती हैं कि हम अपने जीवन में सच्चाई, प्रेम और भाईचारे को अपनाएं। हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। विधायक ने महल मोहल्ला में एक नया हॉल एवं भवन बनवाने की घोषणा की।

अन्य वक्ताओं ने भी किया आह्वान

नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने कहा कि गुरु जी ने प्रेम, भाईचारे एवं समानता का संदेश दिया था। हम सभी को उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। मार्केट कमेटी के चेयरमैन बाबूलाल यादव ने कहा कि गुरु रविदास उस समय प्रकट हुए, जब संसार में अंधकार छाया हुआ था। उन्होंने छूआछात को खत्म करके समानता एवं प्रेम व भाईचारे से जीना सीखाया। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी गुरु रविदास जी के जीवन और उनके उपदेशों पर प्रकाश डाला। सभी ने एक स्वर में कहा कि गुरु रविदास जी के विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं और हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में भंडारे का आयोजन किया गया।

यह रहे कार्यक्रम में मौजूद

कार्यक्रम का संचालन रतनलाल सुधाकर ने किया, जबकि कार्यक्रम में सूबेदार हरफूल सिंह, एसबीआई के रिटायर्ड वरिष्ठ प्रबंधक जयनारायण ढुढगल, रविदास महासभा के प्रधान बाबूलाल नारनौलिया, रिटायर्ड प्रबंधक भीमसिंह सूंठवाल, रिटायर्ड कॉलेज प्रिंसिपल सुरेंद्र सिंह, बाबूलाल खानपुरिया, ज्ञानचंद बाघोतिया, सुरेंद्र महल, सुरेश मंडी, भूपसिंह भारती, रामसिंह बेधड़क, रिटायर्ड डीएसपी सीआईडी रामस्वरूप, बाबूलाल मुंडिया खेड़ा, रामचंद्र ग्रोवर, संजय अमन, हरकेश तूर, अशोक पटीकरा, रमेश पटीकरा, महाशय लाजपत, भगवान दास सैनी, डा. जितेंद्र पाल, रामकुमार ढहिनवाल, यादराम ग्रोवर आदि भी उपस्थित थे। महर्षि दयानंद स्कूल की छात्राओं ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें नृत्यांगना बच्ची रव्या को विशेष रूप से सराहा गया। अंत में मेधावी छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट वितरित करके सम्मानित किया गया।

नारनौल। गुरु रविदास को श्रद्धांजलि अर्पित करते विधायक ओमप्रकाश यादव एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

सतगुरु संत शिरोमणि रविदास प्रकट दिवस मनाया

महेंद्रगढ़। डा. भीमराव अम्बेडकर चौक पर एसएलजी अमन फाऊंडेशन के चेयरमैन सुन्दर लाल जोरासिया की अध्यक्षता में संत शिरोमणि रविदास जयंती मनाई गई। मौजूद लोगों ने रविदास जी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। जोरासिया ने का कि संत शिरोमणि सतगुरु रविदास जी महाराज एक महान संत और समाज सुधारक थे, जिन्होंने भारतीय समाज में व्याप्त जाति प्रथा और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई थी। सतगुरु रविदास जी उच्च कोटि के कवि और महान समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपने जीवन को समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया था। इस अवसर पर पूर्व सरपंच धन्नाराम, पूर्व मैनेजर राजेंद्र सिंह, मा ताराचंद, हरिसिंह प्रधान, डा हरिसिंह, भूपसिह ढाणी फोगाट, सुभाष चौहान, शीशराम भगत, डा राकेश कुमार मेहरा, शेरसिंह थानेदार, संतलाल खिंची, राम अवतार मांढिया, सतवीर सिंह, सतीश नम्बरदार, अर्जुन सिंह चौटीवाला, मुल्तान सिंह, दाताराम, इन्द्रजीत सिंह, राजेश कुमार, भगवान सिंह, विकास खिंची, मा. सतबीर सिंह, जगदीश प्रसाद, हरिराम खन्ना व प्रकाश चंद आदि मौजूद रहे।

गुरु रविदास जयंती पर निकाली शोभायात्रा

- शोभायात्रा के दौरान मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गुरु रविदास सेवा समिति के द्वारा रविवार को संत गुरु रविदास का 649वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान सेवा समिति की ओर से शहर में शोभायात्रा भी निकाली गई। यह शोभायात्रा मौहल्ला महायचान के रविदास मंदिर से शुरू होकर स्टेट हाईवे, 11 हट्टा बाजार, शंकर मार्केट, सब्जी मंडी रोड, बालाजी चौक, आईटीआई रोड, शॉपिंग कॉम्पलैक्स, अंबेडकर चौक, ऑटो मार्केट होते हुए रविदास मंदिर में जाकर समाप्त हुई। शोभायात्रा के दौरान मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गई, जिसमें संत गुरु रविदास, बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि सेवानिवृत्ति मुन्नी देवी पत्नी स्वर्गीय बाबूलाल महायच व अध्यक्षता विधायक कंवर सिंह यादव ने की। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि समाज द्वारा संतों का जन्मदिवस मनाना अनुकरणीय कार्य है। संत गुरु रविदास सेवा समिति के द्वारा हर वर्ष यह जयंती समारोह मनाया जाता है। संत किसी एक जाति धर्म के न होते हुए, बल्कि की वह सब के होते हैं। सभी को उनके जन्म दिवस पर भागीदारी करनी चाहिए। इस दौरान मोहल्ले के लोगों ने विधायक कंवर सिंह यादव के सामने अपनी कुछ मांग भी रखी, जिनकों विधायक ने स्वीकार करते हुए जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया। संत शिरोमणि गुरु रविदास की शोभायात्रा मोहल्ला महायचान से शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए रविदास मंदिर में समाप्त हुई, विधायक कंवर सिंह यादव ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौहल्ले के प्रवीण कुमार के द्वारा अपनी माता मुन्नी देवी के सेवानिवृत्ति होने के उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया, शोभायात्रा से पूर्व मंदिर में विशाल जागरण का आयोजन भी किया गया, जिसमें संत गुरु रविदास की महिमा का गुणगान किया गया।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर संस्था के सर्वसर्वा महावीर प्रसाद, प्रधान संदीप महायच, उपप्रधान मुकेश प्लंबर, सचिव मास्टर दिलबाग सिंह, खजांची दीपक कुमार, हरीश, सचिन, राहुल, राजेश, लीलाराम, जितेंद्र, हरिंद्र, भागीरथ, फूलचंद, जोगेंद्र, हेमंत, सतवीर जोनावास, रविंद्र बवाना व प्रदीप कुमार उपस्थित रहे।

राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन ने निकाली 159वीं प्रभातफेरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राधे-कृष्ण नाम की प्रभातफेरी का संचालन करने वाली संस्था द्वारा रविवार को 159वीं प्रभातफेरी रेवाड़ी रोड स्थित सक्सेस लाइब्रेरी से निकाली गई। फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन प्रातः 7 बजे आयोजित इस प्रभातफेरी के यजमान पवन कुमार, बिजेंद्र कुमार पुत्र स्वर्गीय गंगाराम सैनी ने परिवार के लोगों के साथ ढोल-मर्दंग बजाते हुए, राधे-राधे नाम का जाप किया। प्रभातफेरी में ठाकुर जी की आरती करके सभी को चंदन तिलक लगाकर यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर कर्मचारी कॉलोनी में परिक्रमा करके झूमते- नाचते-गाते हुए जब भक्तों की टोलियां गुजरी। भक्ति भाव में डूबे सैकड़ों की संख्या मे बच्चे, बूढ़े, पुरुष, महिलाएं, नौजवान व धर्म प्रेमी लोगों ने नाचते, गाते, बजाते राधे नाम का जाप किया। गौसेवा मे समर्पित राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन राधा नाम संकीर्तन रथ के साथ लोगों ने ढोल-मंजीरे बजाते हुए ठाकुर जी व छोटे-छोटे बच्चों के हाथों में लड्डू गोपाल जी के दर्शन किए।

नारनौल। शहर में प्रभातफेरी में भाग लेती श्रद्धालु महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। प्रभातफेरी के दौरान पूजा अर्चना करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मोहल्ला सलामपुरा में 179वीं प्रभातफेरी का आयोजन

नारनौल। शहर में राधे नाम की प्रभातफेरी का संचालन करने वाली संस्था प्रभातफेरी संगठन द्वारा रविवार को 179वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया, जो मोहल्ला सलामपुरा नजदीक सरस्वती कंप्यूटर सेंटर से निकाली गई। माघ मास की पूर्णिमा के दिन प्रातः 7 बजे आयोजित इस प्रभातफेरी के यजमान दिनेश सैनी व सुमन सैनी परिवार के साथ लोगों ने ढोल-मर्दंग बजाते हुए राधे-राधे नाम का जाप किया। प्रभात में ठाकुरजी की आरती करके सभी को चंदन तिलक लगाकर यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर बावड़ीपुर, पीरागा, सलामपुरा में परिक्रमा करके झूमते-नाचते-गाते हुए जब भक्तों की टोलियां जा रही थी तो सारा वातावरण ऐसा लग रहा था, जैसे कि वृंदावन की गलियों में राधा रानी के भक्तों की टोलियां झूम रही हों। सर्दी में ऐसा व्यतीत हो रहा था मानो बच्चे-बूढ़े-जवान पुरुष एवं महिलाएं सभी राधा नाम के संकीर्तन में मदहोश होकर अपने इष्ट देव को याद कर रहे हों। महिलाओं ने नाच गाकर नृत्य किया व ठाकुर जी को रिझाया। गौ सेवा में समर्पित प्रभात फेरी संगठन के राधा नाम संकीर्तन रथ के साथ लोगों ने ढोल-मंजीरे बजाते हुए ठाकुर जी व छोटे-छोटे बच्चों के हाथों में लड्डू गोपाल जी के दर्शन किए। परिक्रमा मार्ग में जगह-जगह पर लोग घरों से बाहर निकल कर प्रभात फेरी का फूलों की वर्षा की। संगठन द्वारा आगामी प्रभात फेरी का आयोजन प्रेमदेवी मो. रावका से किया जाएगा। अंत में सनातन धर्म के जयकारों के साथ सभी में प्रसाद वितरण किया गया।

पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों के 11 पदों पर चुनाव करवाया

धर्मचंद छाबड़ा बने नेत्रहीन कन्या विद्यालय के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नेत्रहीन कन्या विद्यालय के त्रिवार्षिक चुनाव विद्यालय के कार्यालय में चुनाव अधिकारी प्रशांत गुप्ता एडवोकेट व सहायक चुनाव अधिकारी सुमित चौधरी एडवोकेट द्वारा संपन्न करवाए गए। पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों के 11 पदों पर चुनाव करवाया गया। सभी पदों पर निर्विरोध पदाधिकारी व कार्यकारणी सदस्यों को चुनाव अधिकारी प्रशांत गुप्ता एडवोकेट द्वारा निर्वाचित घोषित किया गया। इसमें धर्मचंद छाबड़ा को प्रधान, महेश शर्मा व सीताराम सर्राफ को उपप्रधान, हेमंत चौबे को महासचिव, दिनेश सिंघल को सहसचिव, मनोज निर्मल को कोषाध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्य मुखराम सैनी, संदीप नूनीवाला, बद्री प्रसाद गर्ग, पवन शर्मा, प्रभु दयाल बंसल को निर्वाचित घोषित किया गया। इसके उपरांत चुनाव अधिकारी प्रशांत गुप्ता एडवोकेट ने सभी निर्वाचित पदाधिकारी व कार्यकारणी सदस्यों को प्रमाण पत्र वितरित किए व उपस्थित पदाधिकारियों को पद ग्रहण करवाया।

चुनाव अधिकारी प्रशांत गुप्ता एडवोकेट का उपस्थित सदस्यों ने बुक्के देकर उनका सम्मान किया व आभार व्यक्त किया।

नारनौल। चुनाव अधिकारी का बुक्के देकर स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

कृषि विज्ञान केंद्र में व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

महेंद्रगढ़। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा आर्या परियोजना आईसीएआर जोधपुर के अंतर्गत मशरूम उत्पादन तकनीक पर 15 दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण 17 से 31 जनवरी तक संपन्न हुआ, जिसमें जिले के बेरोजगार युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। केंद्र के वरिष्ठ संयोजक एवं कीट वैज्ञानिक डॉ. जयलाल यादव ने बताया की इस प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषय पर जैसे सफेद बटन, मशरूम उत्पादन के लिए कंपोस्ट खाद बनाने की विधि, बीज के बारे में तथा केसिंग मिट्टी एवं मशरूम में लगने वाली बीमारियों तथा कीड़ों के बारे में संबंधित विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई, जिसमें प्रमुख रूप से क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल से डॉ. नरेश यादव, डॉ. मनोज कुमार तथा कृषि विज्ञान केंद्र बावल द्वारा डॉ. नरेंद्र कुमार ने जानकारी दी तथा केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. पूनम यादव ने भी मशरूम के विभिन्न मूल्य संवर्धन उत्पादों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा इस दौरान प्रशिक्षण लेने वाले युवक-युवतियों को जिले के मशरूम व्यवसाय अपनाने वालें प्रगतिशील किसान योगेंद्र यादव की मशरूम यूनिट पर भी भ्रमण करवाया गया।

अटेली में निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

मंडी अटेली। क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए सामाजिक जन सहयोग ट्रस्ट द्वारा अटेली में निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम कनीना रोड बस स्टैंड के निकट स्थित केंद्र परिसर में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी प्रशांत कुमार रहे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कंप्यूटर शिक्षा युवाओं के लिए अनिवार्य है और ऐसे निःशुल्क प्रशिक्षण केंद्र ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों के युवाओं के लिए नए अवसरों का द्वार खोलेंगे। समारोह में जिला अध्यक्ष सुशील धानक चरखी दादरी तथा प्रमुख समाजसेवी जयभगवान (हल्का पटौदी) एवं विशिष्ट अतिथि ओमप्रकाश खनगवाल उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया और ट्रस्ट की इस पहल की सराहना की।

छिलरो गांव में रक्तदान शिविर का आयोजन

सरपंच एसो. के प्रधान के जन्मदिन पर 311 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| निजामपुर

सरपंच एसोसिएशन निजामपुर ब्लॉक के प्रधान सरपंच विक्रम पहलवान के जन्मदिन पर गांव छिलरो में आयोजित रक्तदान शिविर में 311 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया है। इस मौके पर पूर्व मंत्री डा. अभयसिंह यादव मुख्यातिथि थे, जिन्होंने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। सूर्या हॉस्पिटल के डॉ. राजेश लांबा के नेतृत्व में सैकड़ों मरीजों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई, वहीं लगातार चौथे साल भी रक्तदान शिविर में उमड़ा जनसैलाब इतिहास रच गया। इस मौके पर दिल्ली यूनिवर्सिटी के उपाध्यक्ष राहुल, दिल्ली की विधायक नीलम कृष्ण पहलवान, प्रसिद्ध गायक अमनराज गिल, नहर विभाग के एसडीओ संदीप नसीर सहित नांगल चौधरी व निजामपुर ब्लॉक के सभी सरपंच, चेयरमैन और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। माहौल ऐसा था मानो रक्तदान शिविर नहीं, सेवा के सेलेब्रिटीज का संगम हो, जहां हर चेहरा समाज के प्रति जिम्मेदारी की चमक महसूस कर रहा था।

शैक्षणिक भ्रमण

पहाड़ों पर कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फैलाएं

ढोसी की पहाड़ी को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संदेश लेकर पहुंचे स्वयंसेवक

- शैक्षणिक एवं जागरूकता भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया
- ऐतिहासिक, धार्मिक एवं प्राकृतिक महत्व की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के चौथे दिन स्वयंसेवकों के लिए एक शैक्षणिक एवं जागरूकता भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों को ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल ढ़ोसी की पहाड़ी का भ्रमण करवाया गया तथा इस स्थल का विस्तृत वर्णन भी करवाया गया। भ्रमण को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विजय यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने विद्यार्थियों को इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमणों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में न केवल ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक चेतना विकसित होती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी प्रबल होती है।

भ्रमण के दौरान स्वयंसेवकों ने ढ़ोसी की पहाड़ी पर स्थित भगवान शिव मंदिर, हनुमान मंदिर एवं मनसा देवी मंदिर के दर्शन किए। इसके पश्चात उन्होंने च्यवन ऋषि मंदिर का भ्रमण किया तथा वहां स्थित प्राचीन कुंड को भी देखा। विद्यार्थियों को इस क्षेत्र के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं प्राकृतिक महत्व की जानकारी दी गई। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने पहाड़ी क्षेत्र में आए श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि पहाड़ों पर कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फैलाएं, बल्कि एक स्थान पर एकत्रित करें तथा इस पवित्र एवं प्राकृतिक स्थल को प्लास्टिक मुक्त बनाए रखने में सहयोग करें।

धार्मिक आस्था का केन्द्र है 'ढोसी की पहाड़ी'

स्वयंसेवकों ने यह भी बताया कि ढ़ोसी की पहाड़ी न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह क्षेत्र पर्यावरणीय संतुलन और प्राकृतिक विरासत की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसे संरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इनका रहा योगदान

शैक्षणिक भ्रमण में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. परमीत कुमारी शिक्षकगण डॉ. पविता यादव, डॉ. अनीता यादव, डॉ. संदीप कुमारी, पूजा रानी, रविंद्र कुमार, बबिल कुमारी, राकेश का सराहनीय योगदान रहा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005